

Л 2013

40597к

Н.А. Прманова

**ОЙКОНИМИЯ КАЗАХСТАНА В КОНТЕКСТЕ
ТЮРКСКОЙ ЯЗЫКОВОЙ КАРТИНЫ МИРА**

Казань-2011

СОДЕРЖАНИЕ

| | | |
|---|------------|-----------|
| Предисловие..... | 3 | |
| Введение..... | 5 | |
| Раздел I. Теоретико-методологические предпосылки исследования | | |
| Глава 1. Общетеоретические установки интерпретации языка как формы отражения объективной действительности..... | 14 | |
| 1.1. Языковая картина мира как способ национального мировидения | 14 | |
| 1.2. Языковое сознание и его национальная специфика..... | 20 | |
| 1.3. Этнокультурная обусловленность языка..... | 25 | |
| 1.4. Концептуализация как процесс отражения этнического опыта..... | 31 | |
| Глава 2. Ойконимия как фрагмент языковой картины мира..... | 39 | |
| 2.1. Ойконимическая система как объект исследования | 39 | |
| 2.2. Ойконимическая картина мира как способ репрезентации действительности..... | 47 | |
| 2.3. Специфика ойконимической номинации..... | 56 | |
| 2.4. Полевая структура ойконимов..... | 66 | |
| 2.5. Способы номинации в ойконимии..... | 70 | |
| Раздел II. Ойконимия Казахстана в контексте тюркской языковой картины мира | | 75 |
| Глава 1. Концепт <i>Человек</i> в ойконимической картине мира..... | 80 | |
| 1. Отражение концепта <i>Человек</i> в топонимии.. .. | 80 | |
| 2. Этническая личность..... | 83 | |
| 3. Конкретная личность..... | 90 | |
| 4. Социальные отношения | 96 | |
| 5. Духовность, сакральность | 101 | |
| 6. Идеология | 110 | |
| 7. Местожителство, жилище..... | 113 | |
| Глава 2. Концепт <i>Природа</i> в тюркской языковой картине мира..... | 126 | |
| 2.1. Интерпретация концепта <i>Природа</i> в ойконимии | 126 | |
| 2.2. Водные объекты..... | 136 | |
| 2.3. Рельеф местности, ландшафт..... | 147 | |
| 2.4. Фауна..... | 152 | |
| 2.5. Флора | 155 | |
| 2.6. Полезные ископаемые..... | 159 | |
| Включение | 162 | |
| Глоссарий..... | 164 | |
| Список литературы..... | 165 | |